an>

Title: Need for the participation of Damodar Valley Corporation and various coal companies in keeping river Damodar clean and pollution free.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) : मेरे संसदीय क्षेत्र चतरा में चंदवा होकर देवनद-दामोदर नदी प्रवाहित होता है, जो झारखंड के विभिन्न जिलों से गुजरकर बंगाल से होता हुआ बंगाल की खाड़ी में समाहित होता है। देवनद-दामोदर को झारखंड का लाईफ लाईन कहा जाता है। देवनद दामोदर को प्राचीन ग्रंथ में विष्णु का अवतार मानते हैं। दामोदर सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत को सहजता हुआ जैव विधिता से परिपूर्ण वन प्रकांतरों और खनिज सम्पदा से भरपूर कोयलांचल में बहता है, परंतु आज प्रदूषण और अतिक्रमण से दामोदर का अस्तित्व खतरे में है। यह भारत का सर्वाधिक प्रदूषित नद है। जिसका विषाक्त जल मानव जाति पशुधन और कृषि के लिए हानिकारक हो गया है। चंदवा में प्रवेश करते ही इसका शोषण आरंभ हो जाता है। 2006 में उद्योगों के आगमन के बाद तो इसका दोहन खूब हुआ। यहां से लगातार बालू उठाव के कारण नदी संकीर्ण होती गई। इस नदी में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार के उपक्रम इसके प्रदूषण और अतिक्रमण के जिम्मेवार हैं। कोयला क्षेत्र की सरकारी कम्पनियां सीसीएल, बीसीसीएल इत्यादि एवं पतरातु सहित अन्य बिजली उत्पादन ईकाइयां अपना अपशिष्ट और प्रदूषित कचरा, मलबा दामोदर में डालते हैं। निजी प्रतिष्ठानों द्वारा भी इसको प्रदूषित किया जा रहा है। उदगम स्थल के पास इसका जल पूरी तरह शुद्ध है। देवनद-दामोदर नद का उद्गम स्थल चूल्हा पानी पर्यटक स्थल बन सकता है। दामोदर बचाओ आंदोलन, जल जागरूकता अभियान और युगांतर भारती के अथक प्रयास के बाद उद्गम स्थल के समीप भगवान विष्णु के मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई लेकिन इसे गति रूप नहीं दिया जा सका।

मेरी भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों से मांग है कि दामोदर वैली कॉरपोरेशन को निर्देशित किया जाये कि वे दामोदर नदी का रखरखाव इसके उद्गम स्थल से संगम तक करें। डीवीसी नदी क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल, भूमि संरक्षण इत्यादि का कार्य करें। कोयला क्षेत्र की कम्पनियां सीसीएल, बीसीसीएल आदि सीएसआर मद से दामोदर नद को प्रदूषण मुक्त करने के लिए राशि का उपयोग करें। साथ ही मंत्रालय एक केन्द्रीय जांच दल भेजकर इसके जल के गुणवत्ता एवं प्रदूषण फैलाने वाले कारकों की जांच कर रिपोर्ट पेश करें और प्रदूषित करने वाले संगठनों पर कार्रवाई हो।